वीसी ने किया उद्घाटन • इस मशीन से डिजिटल एग्रीकल्चर एवं सेंसर आधारित स्मार्ट खेती को मिलेगा बढ़ावा

विवि के केला प्रक्षेत्र में फसल नामक मशीन की गई इंस्टॉल, किसानों को होगी सहूलियत

भास्कर न्यूज़|पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के केला प्रक्षेत्र में राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र तमिलनाडु एवं अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना बंगलोर द्वारा डेटा संचालित स्मार्ट खेती के लिए शुक्रवार को फसल नाम की एक मशीन को स्थापित किया गया है। कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने इस मशीन का उद्घाटन किया। बताया जाता है कि यह मशीन सौर ऊर्जा द्वारा संचालित होती है तथा इस मशीन के अंदर एक सिम व कई सेंसर लगाए गए है। मशीन के अंदर लगा सिम व सेंसर फसल के आस पास का माइक्रो और माइक्रो क्लाइमेट यानी (जलवायु) से विभिन्न पैरामीटर जैसे तापक्रम (अधिकतम व न्यूनतम), आद्रता का प्रतिशत, हवा का दबाव, हवा की गति, सूर्य का प्रकाश यानी (लक्स), सौर ऊर्जा का प्रतिशत, वर्षा की मापी, वर्षा होने का दिन, पत्ती की नमी, मृदा की नमी, मृदा का तापमान को बताने के साथ-साथ केला के फसल से जुड़े आदर्श विकास की स्थितियों और संसाधन आवश्यकताओं की भविष्यवाणी को बताता है। मशीन के कर्ता धर्ता व विवि के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने बताया कि यह मशीन फसल व खेत के सभी स्तरो जैसे सिंचाई कब करे, फसल में लगने वाले रोग व कीट व्याधियों से बचाव के लिए किया जाने वाला दवाओं का छिड़काव, उर्वरक का प्रयोग कब करना है आदि को भी बताता है।

विकास की स्थितियों और संसाधन आवश्यकताओं की भविष्यवाणी को बताता है

विवि में लगाई गई फसल नामक मशीन।

मशीन सिंचाई करने के लिए किसानों को करेगा अलर्ट

वैज्ञानिक ने बताया कि फसल नाम के इस मशीन की प्रणाली मिट्टी में पानी की उपलब्धता की जांच कर किसानों को फसल में कब एवं कितनी सिंचाई करनी है इसकी सूचना पहले ही देना शुरू कर देगी। उन्होंने बताया कि इतना ही नही यह मशीन फसल सुरक्षा जैसे रोग एवं कीड़े से बचाव के लिए निवारक उपाय क्या होगा इसे भी बताता है। उन्होंने बताया कि यह मशीन किसानों को रोग व कीड़े के आक्रमण से संबंधित जानकारी ससमय देकर किसानों को अलर्ट भी करता रहता हैं। उन्होंने बताया कि इतना ही नही यह मशीन फसल की जलवायु परिस्थितियों जैसे मिट्टी के नीचे के विभिन्न पैरामीटर, सौर स्थितियों, फसल चरण, फसल विकास विशेषताओं आदि की निगरानी भी करता है।।। ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऐ आई) आईओटी आधारित खेती की तकनीक पर प्रयोग शुरू करने पर जोर दिया।

14 दिनों तक का खेत विशिष्ट, सूक्ष्म-जलवायु पूर्वानुमान आदि की जानकारी देगा

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन किसानों को भविष्य के मौसम के जोखिमों से निपटने के लिए अगले 14 दिनों तक का खेत विशिष्ट, सूक्ष्म-जलवायु पूर्वानुमान आदि की जानकारी देगी। वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीम फसल के रोग की भविष्यवाणी, उसका मूल्यांकन, फसल की बीमारी की संभावना, इसकी गंभीरता, कीट के प्रकोप की संभावना आदि के बारे में किसानों को आगाह करेगी ताकि किसान समय से फसलों पर दवाओं का छिड़काव कर सकें। वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन किसानों के फसलों और गतिविधियों की दैनिक प्रगति में वास्तविक समय की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

नए नए अनुसंधान की प्लानिंग को आगे बढ़ाने में काफी सहूलियत मिलेगी : डॉ. पीएस पांडे

कुलपति डॉ. पीएस पांडे ने बताया कि विवि ने ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी आधारित खेती की तकनीक आदि के प्रयोग पर जोर शोर से काम करना शुरू कर दिया हैं। उन्होंने बताया कि विवि के केला के एक्सपेरिमेंटल फील्ड में फसल नाम के इस मशीन को लगाने से खासकर रोग एवं कीट से संबंधित अनुसंधान को एक नया आयाम मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस मशीन के लग जाने से वातावरण के विभिन्न पैरामीटर एवं केला के पौधों के बीच के संबंध को समझने एवं नए नए अनुसंधान की प्लानिंग को आगे बढ़ाने में काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस मशीन का लगना डिजिटल एग्रीकल्चर एवं सेंसर आधारित स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

Dainik Bhaskar

मौसम में शुरू हुआ बदलाव, 4 दिन में 5.8 डिग्री बढ़ा तापमान

तीन-चार दिनों में 38 तक जा सकता है तापमान

सिटी रिपोर्टर|समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में मौसम में एक बार फिर बदलाव शुरू हो गया है। बीते दो दिनों से बादलों के बीच शुष्क रह रहे मौसम के बाद अब धूप में गर्मी बढ़ने लगी है। बताया जाता है कि बीते चार दिनों में मौसम में आए परिवर्तन बाद अधिकतम तापमान में 5.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। इसको लेकर मौसम विभाग पूसा की ओर से जारी मौसमीय आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान बीते चार दिनों में उच्चतम रहते हुए 34.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो सामान्य से 2.6 डिग्री नीचे रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री कम रहते हुए 21 डिग्री रिकार्ड किया गया। इस अवधि में सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 89 फीसदी रही। जबकि दोपहर में यह धूप के कारण 49 फीसदी रिकार्ड की गई। बताया गया कि इस दौरान 6.2 किमी की रफ्तार से पुरवा हवा चली। बताया गया कि बीते 23 मई को अधिकतम तापमान 8.1 डिग्री कम रहते हुए 28.4 डिग्री रहा था। इसको लेकर मौसम वैज्ञानिक डॉ. अब्दुस सत्तार ने बताया कि उत्तर बिहार के जिलों में बीते चार दिनों में तापमान उपर आया है। वहीं आगामी तीन-चार दिनों में इसके और अधिक बढ़ने की संभावना है। जिससे लोगों को दिन के समय गर्मी का अधिक एहसास होगा।

Dainik Bhaskar

कार्यक्रम • जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि के विषय पर चल रहे सेमिनार का किया गया आयोजन

छात्र देश के भविष्य, इस भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए छात्रों को जागरूक करने की है आवश्यकता : डॉ. पीएस पांडेय

भास्कर न्यूज|पूसा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि के विषय पर चल रहे सेमिनार के चौथे दिन 26 मई को विवि परिसर स्थित कैंपस पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने कहा कि छात्र देश के भविष्य हैं और देश के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए इन छात्रों को जागरूक किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत ही नही बल्कि पूरे विश्व में मौसम में तेजी से परिवर्तन हो रहा हैं जिसके लिए मानवीय कारक ही बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि वे वातावरण को बेहतर बनाने के लिए यहां से जो भी सीखेंगे उसे सिर्फ अपने तक नही बल्कि अपने आस पास के लोगों और परिवार के सदस्यों को भी इसके बारे में बताएंगे। कार्यक्रम में विवि के निदेशक अनुसंधान डा. ए के सिंह एवं निदेशक छात्र कल्याण डा. रंजन लायक ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

भाषण प्रतियोगिता में आदित्य तिवारी ने प्रथम व प्रज्जवल कुमार ने द्वितीय स्थान लाया

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति और कार्यक्रम में मौजूद छात्र व वैज्ञानिक।

बाद में छात्र जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कई वैज्ञानिको ने मौसमीय परिवर्तन पर अपने व्याख्यान दिये तथा बाद में छात्रों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा दस के आदित्य तिवारी ने प्रथम स्थान, प्रज्जवल कुमार ने द्वितीय स्थान तथा कक्षा आठ के निशांत शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 के आयुष झा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान डा. महेश कुमार, डा. शंकर झा आदि ने भी बच्चों को काफी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस जागरूकता कार्यक्रम में कैंपस पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक व छात्र सम्मिलित हुए।

Dainik Bhaskar

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 30 मई तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा कि उत्तर बिहार में 28 मई के आसपास तेज हवा के साथ वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली गिर सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दौरान 13 से 15 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
27 मई	32.0	21.0
28 मई	32.0	20.0
पटना		
27 मई	36.0	24.0
28 मई	37.0	22.0
गया		
27 मई	35.0	25.0
28 मई	36.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagaran

'फसल' करेगी भविष्यवाणी, कीटों का थमेगा प्रकोप

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के केला प्रक्षेत्र में डेटा संचालित स्मार्ट खेती के लिए फसल नामक एक मशीन को स्थापित किया गया है। शुक्रवार को कुलपति डा. पीएस पांडे ने इस मशीन का उद्घाटन किया। सौर ऊर्जा से संचालित इस मशीन में एक सिम व कई सेंसर लगाए गए हैं। मशीन के अंदर लगा सिम व सेंसर फसल के आसपास का माइक्रो और माइक्रो क्लाइमेट यानी (जलवायु) से विभिन्न पैरामीटर जैसे तापक्रम (अधिकतम व न्यूनतम), आद्रता का प्रतिशत, हवा का दबाव, हवा की गति, सूर्य का प्रकाश, सौर ऊर्जा का प्रतिशत, वर्षा की मापी, वर्षा होने का दिन, पत्ती की नमी, मृदा की नमी, मृदा का तापमान को बताने के साथ-साथ केला के फसल से जुड़े आदर्श विकास की स्थितियों और संसाधन आवश्यकताओं की भविष्यवाणी को बताता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. संजय कुमार सिंह ने बताया कि यह मशीन फसल व खेत के सभी स्तरों जैसे सिंचाई कब करें, फसल में लगने वाले रोग व कीट व्याधियों से बचाव के लिए किए जाने वाला दवाओं का छिड़काव, उर्वरक की आवश्यकता आदि को भी बताती है। उन्होंने बताया कि इतना ही नहीं यह मशीन फसल सुरक्षा जैसे रोग एवं कीड़े से बचाव के लिए उपाय भी बताती है। यह मशीन फसल की जलवायु परिस्थितियों जैसे मिट्टी के नीचे के विभिन्न पैरामीटर, सौर स्थितियों, फसल चरण, फसल विकास विशेषताओं आदि की निगरानी भी करती है। डा. सिंह ने बताया की फसल नाम के इस मशीन की प्रणाली मिट्टी में पानी की उपलब्धता की जांच कर किसानों को फसल में कब एवं कितनी सिंचाई करनी है इसकी सूचना पहले ही देना शुरू कर देगी।

केले के खेत में लगी फसल नामक मशीन
● जागरण

मौसम पूर्वानुमान : कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन किसानों को भविष्य के मौसम के जोखिमों से निपटने के लिए अगले 14 दिनों तक का खेत विशिष्ट, सूक्ष्म-जलवायु पूर्वानुमान आदि की जानकारी देगी। रोग और कीट के संबंध में भी अलर्ट करेगी। डा. सिंह ने बताया कि यह मशीन फसल के रोग की भविष्यवाणी, उसका मूल्यांकन, फसल की बीमारी की संभावना, इसकी गंभीरता, कीट के प्रकोप की संभावना आदि के बारे में किसानों को आगाह करेगी ताकि किसान समय से फसलों पर दवाओं का छिड़काव कर सकेंगे। रिकार्ड गतिविधियां और वित्त वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन किसानों के फसलों और गतिविधियों की दैनिक प्रगति में वास्तविक समय की अंतरदृष्टि प्रदान करती है। कृषि विवि पूसा के कुलपति डा. पीएस पांडे ने बताया कि विवि ने ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइओटी आधारित खेती की तकनीक आदि के प्रयोग पर जोर-शोर से काम करना शुरू कर दिया हैं। केला के एक्सपेरिमेंटल फील्ड में फसल नाम के इस मशीन को लगाने से खासकर रोग एवं कीट से संबंधित अनुसंधान को एक नया आयाम मिलेगा।

Dainik Jagaran

समाचार सार

पूसा में स्मार्ट कृषि से अवगत हुए छात्र–छात्राएं

कार्यक्रम को संबोधित करते वैज्ञानिक ● जागरण

पूसा, संस : डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि पर आयोजित सेमिनार के चौथे दिन छात्रों को लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा पीएस पांडेय ने कहा कि भारत और विश्व में मौसम में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। इसके लिए मानवीय कारक ही बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने छात्रों से यहां से सीखने वाले तथ्यों से आसपास के लोगों और परिवार के सदस्यों को भी बताने का आह्वान किया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10 के आदित्य तिवारी ने प्रथम, प्रज्जवल कुमार ने द्वितीय तथा कक्षा आठ के निशांत शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 के आयुष झा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

Dainik Jagaran

कृषि विवि में जलवायु परिवर्तन पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मौसम परिवर्तन में मानवीय कारक भी जिम्मेदार: वीसी

जागरूकता

पूसा, निज संवाददाता। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने कहा कि मौसम के बदलते परिवेश में कृषि की चुनौतियां निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल एवं कृषि यांत्रीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसके लिए युवा वर्ग को सजग रहने की जरूरत है। इस दिशा में विवि का प्रयास है कि वे देश के भविष्य को अभी से ही जागरूक कर इस दिशा में पहल जारी रखें।

वे शुक्रवार को विवि के विद्यापति सभागार में कैम्पस पब्लिक स्कूल के छात्रो को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा वर्तमान में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि का है। इस दिशा में पहल तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मौसम में तेजी से हो रहे परिवर्तन में मानवीय कारक भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने छात्रों से विवि से प्राप्त ज्ञान को अन्य लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम को निदेशक अनुसंधान डॉ. एके सिंह एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ. रंजन लायक ने भी संबोधित किया। इस दौरान कई तरह की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें चयनित प्रतिभागी पुरस्कृत किये गये। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 10 के आदित्य तिवारी ने प्रथम, प्रज्जवल कुमार ने द्वितीय एवं कक्षा 8 के निशांत शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 के आयुष झा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. सीके झा, डॉ. महेश कुमार, डॉ. शंकर झा, प्राचार्य रोमा एवं अन्य मौजूद थे।

कृषि विवि के विद्यापति सभागार में संबोधित करते कुलपति डॉ.पीएस पाण्डेय।

- कुलपति ने छात्रों को किया संबोधित
- भाषण प्रतियोगिता में सफल बच्चे पुरस्कृत

Hindustan

कृषि विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर व स्मार्ट खेती शुरू

लगाया यंत्र

14 दिनों के लिए उपलब्ध करायेगा पूर्वानुमान

- प्रथम चरण में केला के खेतों में लगाया गया यंत्र
- मौसम पूर्वानुमान भी बतायेगा यंत्र

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में डिजिटल एग्रीकल्चर एवं सेंसर आधारित स्मार्ट खेती की शुरुआत की गयी है। विवि ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत आइसीएआर, एआईसीआरपी, एनआरसी केला की सहयोग से फसल नामक एक यंत्र लगाया है। जिसकी मदद से फसल के आसपास के माइक्रो व मैक्रो क्लाईमेट (जलवायु) का आकलन कर निर्धारित अवधि में समस्या निदान किया जा सके। इसके साथ ही विवि के कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय की ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईआईटी आधारित खेती की तकनीक पर दिये गये जोर का असर दिखने लगा है। यह यंत्र विवि के केला के प्रायोगिक प्रक्षेत्र में लगाई गई है। विवि के सह निदेशक अनुसंधान डॉ. एसके सिंह ने बताया कि इसकी मदद से तापक्रम, आर्द्रता, हवा का दबाब व गति, सूर्य का प्रकाश, सौर, वर्षा के दिन, पत्ती व मृदा की नमी, मृदा का तापमान, केला के विकास स्थिति, रोग-कीड़ा आदि की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

सिंचाई संबंधित मिलेगा अलर्ट

वैज्ञानिक के अनुसार यह यंत्र फसल प्रणाली मिट्टी में पानी की उपलब्धता की जांच व सिंचाई की आवश्यकता की जानकारी देगा।

मौसम पूर्वानुमान भी मिलेगा : यह यंत्र की मदद से मौसम के जोखिमों को भी उपलब्ध करायेगा। यह अगले 14 दिनों के लिए खेत-विशिष्ट सूक्ष्म-जलवायु पूर्वानुमान उपलब्ध करायेगा। जिससे समुचित समय में उसका निदान हो सके।

रोग और कीट अलर्ट : वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन (फसल) फसल रोग की भविष्यवाणी और मूल्यांकन प्रणाली के अलावा फसल की बीमारी की संभावना, उसकी गंभीरता, कीट के प्रकोप की संभावना के बारे में आगाह करेगी। जिससे किसान अपने निवारक स्प्रे समय पर कर सकें।

Hindustan

कृषि विवि परिसर में लगा फसल नामक सेंसर आधारित यंत्र। ● हिन्दुस्तान

लीची के छिलके की कोशिकाएं सूर्य की किरणों की वजह से जल गईं

सूरज की तपिश और तैयार लीची के फटने से 30 फीसदी नुकसान

- फल तुड़ाई के समय बारिश हो जाने से फल फटने की समस्या बढ़ी
- वैज्ञानिक बोले, बढ़ते तापमान से बचाव के लिए ओवरहेड स्प्रिंकलर से सिंचाई जरूरी

कुछ इस तरह से लीची फट जा रहे।

मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। सनबर्निंग और फ्रूट क्रैकिंग से शाही लीची को काफी नुकसान पहुंचा है। अधिक तापमान के कारण 25 से 30 फीसदी तक लीची के फल फट गए हैं। शाही लीची की तुड़ाई अंतिम दौर में चल रही है। इस नुकसान से किसान और व्यापारी दोनों परेशान है। अप्रैल और मई में अधिकतम तापमान कई दिनों तक 40 डिग्री या उससे अधिक रहा है, जबकि लीची पकने के समय तापमान 35 से 36 डिग्री रहना चाहिए। इससे ज्यादा तापमान रहने से लीची के छिलके की कोशिकाएं धूप से जलकर (सनबर्निंग) कमजोर हो गई है। लीची के फल पर धब्बे बन गए। इस बीच बारिश होने से कमजोर छिलके से फटकर गुदा बाहर निकल गया है।

बिहार लीची उत्पादक संघ के अध्यक्ष बच्चा प्रसाद सिंह ने बताया कि शाही लीची का उत्पादन पिछले साल की तुलना में दो तिहाई हुआ है। उसमें भी सनबर्निंग की वजह से फ्रूट क्रैकिंग की समस्या बढ़ गई है। बाग से निकल रहे 25 से 30 फीसदी फल क्षतिग्रस्त हैं। स्टेशन रोड के लीची विक्रेता संजय कुमार ने बताया कि पिछले साल इस समय लीची मिठास से भरी थी। इस बार लीची कम मीठी है। पिछले साल 80 से 100 रुपये सैकड़ा लीची बेचते थे। वहीं इस बार 160-180 रुपये सैकड़ा बेच रहे हैं। लीची फटने से बाग मालिक और व्यापारी अधिक कीमत ले रहे हैं।

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रो. डॉ. एसके सिंह ने बताया कि साल दर साल तापमान बढ़ रहा है। इसका सबसे अधिक प्रभाव लीची पर पड़ा है। लीची में तापमान बएढ़ने से फ्रूट क्रैकिंग की समस्या बढ़ गई है। फल फटने की समस्या पानी, कैल्शियम या बोरॉन की कमी से हो सकता है। तापमान, आर्द्रता और बारिश में अधिक कमी या अधिकता समस्या बन सकती है।

पहले से किसान बोरेक्स के घोल का करें छिड़काव

प्रो डॉ एसके सिंह ने बताया कि किसान जहां पर लीची के फटने की समस्या अधिक हो वहां के किसान अगले साल पहले से बचाव की तैयारी कर लें। अगले साल 15 अप्रैल से पूर्व 2 ग्राम बोरेक्स/ प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सूक्ष्मपोषक तत्व जिसमें घुलनशील बोरान की मात्रा अधिक हो उसकी दो ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। इससे फल के फटने की समस्या में कमी आती है।

Hindustan

कार्यक्रम. सेमिनार में कैंपस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने लिया भाग

देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए जागरूकता जरूरी : वीसी

संबोधित करते कुलपति .

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि पर सेमिनार के चौथे दिन शुक्रवार को कैंपस पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

मुख्य अतिथि कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं. भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए इन छात्रों को जागरूक करने की जरूरत है. भारत एवं विश्व के मौसम में बदलाव तेजी से हो रहा है. इसके लिये मानवीय कारक भी बहुत हद तक जिम्मेवार है. उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि वे यहां से जो सीखें उसे सिर्फ अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने आसपास के लोगों और परिवार के सदस्यों से भी साझा करें. निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह ने बदलते मौसम से पर्यावरण एवं मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की. निदेशक छात्र कल्याण डॉ रंजन लायक एवं डॉ आरके झा ने भी विचार रखे. कार्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया. भाषण प्रतियोगिता में कक्षा दस के आदित्य तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. वहीं प्रज्वल कुमार ने द्वितीय स्थान व कक्षा आठ के निशांत शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. वर्ग 10 के छात्र आयुष झा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया. इस मौके पर डॉ महेश कुमार, डॉ शंकर झा, कैंपस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षक सहित छात्र-छात्राओं ने भाग लिया.

वाद-विवाद प्रतियोगिता 11 जुलाई को

समस्तीपुर. उर्दू निदेशालय द्वारा संचालित उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन के तहत उर्दू भाषी छात्रों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता करायी जायेगी. प्रभारी पदाधिकारी सुनीता सोनू ने बताया कि 11 जुलाई को प्रतियोगिता करायी जायेगी. जिले के सभी शिक्षण संस्थान के मैट्रिक तथा स्नातक व इन सभी के समकक्ष के सभी उर्दू भाषी छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगी. मैट्रिक व समकक्ष के लिये वाद-विवाद का विषय तालीम की अहमियत, इंटर व समकक्ष के लिए वाद-विवाद का विषय उर्दू जबान की अहमियत तथा स्नातक व समकक्ष के लिए वाद-विवाद का विषय उर्दू गजल की लोकप्रियता निर्धारित की गयी है. विजेताओं का चयन जिला स्तर पर गठित निर्णायक मंडल द्वारा किया जायेगा. प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र व छात्रा अपने शिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू प्रशाखा के कार्यालय में प्रतिभागियों की सूची उपलब्ध करा सकते हैं. वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन नगर भवन समस्तीपुर में किया जाएगा.

Prabhat Khabar

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 30 मई तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा कि उत्तर बिहार में 28 मई के आसपास हवा के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली गिर सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दौरान 13 से 15 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
28 मई	32.0	21.0
29 मई	32.0	20.0
पटना		
28 मई	36.0	24.0
29 मई	37.0	22.0
गया		
28 मई	35.0	25.0
29 मई	38.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 28.05.23

उत्तर बिहार में अगले 12 घंटे तक वर्षा की स्थिति

पूसा, संस : उत्तर बिहार में अगले 12 घंटे तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। ज्यादातर स्थानों पर वर्षा की संभावना बनी रह सकती है। यह कहना है मौसम विभाग का। डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान में यह बात कही गई है। अगले 31 मई तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले 12 घंटों तक ज्यादातर स्थानों पर वर्षा की संभावना बनी रह सकती है। उसके बाद मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

Dainik Jagran 28.05.23

बदला मौसम • 12 घंटे तक बारिश की संभावना, उसके बाद मौसम बना रहेगा शुष्क

7.6 एमएम हुई बारिश, तिरहुत अकादमी और सोनबरसा चौक पर हुआ जलजमाव

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में अनुकूल परिस्थितियों के कारण शुक्रवार की रात तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इस दौरान 7.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि इस हल्की बारिश में भी शहर के काशीपुर स्थित तिरहुत अकादमी व सोनबरसा चौक पर जलजमाव हो गया। जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। बताया गया कि नगर निगम की ओर से तिरहुत अकादमी के सामने नाला बनाए जाने के एक साल से अधिक समय के बावजूद मुख्य सड़क से जलनिकासी के लिए अभी तक व्यवस्था नहीं दी गई है। जिससे हल्की बारिश में भी यहां जलजमाव हो जाता है। वहीं यहां की सड़क जर्जर होने से भी परेशानी और बढ़ जाती है। लोगों को गिरने का भय बना रहता है। यही हाल सोनबरसा चौक पर मंदिर के निकट है जहां सड़क को बीते वर्ष काटे जाने के बाद से मरम्मति नहीं हुई है। यहां भी जलजमाव से परेशानी बनी है। बताया गया कि उत्तर बिहार के जिलों में आगामी 12 घंटे बारिश की संभावना है। उसके बाद मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम रहा। बताया है कि 30 मई के बाद लंबी अवधि के धान के लिए नर्सरी में बीज के बुवाई का कार्य शुरू किया जा सकेगा।

नगर निगम की ओर से जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई

शहर के तिरहुत अकादमी के सामने हुआ जलजमाव।

सामान्य से 4 डिग्री नीचे आया तापमान

वहीं बताया गया कि देर रात तक रूक-रूक कर हुई बारिश से शनिवार को तापमान सामान्य से 4 डिग्री तक नीचे रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 3.9 डिग्री नीचे रहकर 32.6 डिग्री व न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री नीचे रहकर 20.6 डिग्री रहा।

उत्तर बिहार के जिलों में देर रात तेज आंधी के साथ बारिश हुई। अभी आगामी 12 घंटे तक बारिश होने कही संभावना बनी रहेगी। उसके बार मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि अभी बादल छाए रहेंगे। किसान वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप कृषि कार्य संपन्न करें।

***–डॉ. अब्दुस सत्तार**, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

तेज आंधी से लीची और आम के बाग को नुकसान

बताया गया कि तेज आंधी से लीची व आम के बाग को नुकसान हुआ है। शाही लीची की तोड़ने की अवस्था के कारण तैयारी फसल आंधी में गिरी है। वहीं अमरूद की फसल को भी नुकसान हुआ है। हालांकि अभी इसका आंकलन नहीं किया जा सका है।

उत्तर बिहार की अनुसंशित मक्का की किस्मों का प्रयोग करें किसान

वैज्ञानिक ने उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित खरीफ मक्का की किस्मों सुआन, देवी, शक्तिमान 1, शक्तिमान 2, राजेंद्र संकर 3, गंगा 11 की बुआई की सलाह दी है। वहीं लंबी अवधि वाले धान की किस्मों राजरी, राजेंद्र मंजूरी, राजेंद्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब आदि की नर्सरी तैयार करने का आह्वान किया गया है।

Dainik Bhaskar 28.05.2023

चेतावनी : अगले 12 घंटे तक वर्षा की संभावना

पूसा, निज संवाददाता। उत्तर बिहार के जिलों में अगले चार दिनों तक हल्के से मध्यम बादल रह सकते है। इस दौरान अगले 12 घंटो तक अधिकतर स्थानों पर वर्षा की संभावना बनी रह सकती है। उसके बाद मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने 31 मई तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री एवं न्यूनतम 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है। इस अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 एवं दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है। इस दौरान औसतन 13 से 15 किमी. प्रति घंटा की गति से पछुआ हवा चलने का अनुमान है।

आंधी से सोंगर हाई स्कूल की छत उड़ी

मोरवा। शुक्रवार रात आंधी से सोंगर हाई स्कूल की छत उड़ गई। जिससे स्कूल में शनिवार को पठन पाठन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को दी गई है। इसी प्रकार आंधी में ररियाही पंचायत में कई पेड़ गिर गए। महाविष्णु यज्ञ परिसर में लगे पंडाल भी क्षतिग्रस्त हो गए।

Hindustan 28.05.2023

12 घंटे में कुछ जगहों पर मेघ बरसने की संभावना

प्रतिनिधि, समस्तीपुर

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र व भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 28 से 31 मई तक के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है. इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं.

अगले 12 घंटे में ज्यादातर स्थानों पर बारिश की संभावना है. उसके बाद आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा. अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. सापेक्ष आद्रर्ता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है. पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 13 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है. शनिवार का अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा.

Prabhat Khabar 28.05.2023

पेज-3 राष्ट्रीय सहारा 28/5/23

मौसमीय परिवर्तन को ले छात्र छात्राओं को जागृत करने की जरूरत : कुलपति

पूसा (एसएनबी)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि पर चल रहे सेमिनार के चौथे दिन 26 मई को कैंपस पब्लिक स्कूल के छात्रों के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ पीएस पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र भारत के भविष्य है। मौसम

कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व अन्य।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूल एवं स्मार्ट कृषि पर चल रहा सेमिनार

परिवर्तन को लेकर छात्रों को जागरूक किये जाने की जरूरत है। उन्होने कहा मौसम के प्रति खुद भी जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें क्योंकि भारत और विश्व के मौसम में तेजी से परिवर्तन हो रहे है। इस मौसम परिवर्तन के लिये मानवीय कारक ही बहुत हद तक जिम्मेदार है। कार्यक्रम को दौरान निदेशक अनुसंधान डा एकेसिंह एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ रंजन लायक ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान छात्रों को लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता मे कक्षा दस के आदित्य तिवारी ने प्रथम, प्रज्जवल कुमार ने द्वितीय तथा कक्षा आठ के निशांत शेखर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10 के आयुष झा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ महेश कुमार, डॉ शंकर झा एवं अन्य ने भी अपने विचार रखे। इस जागरूकता कार्यक्रम मै कैपस पब्लिक स्कूल को सभी शिक्षक एव दो सौ से अधिक छात्र सम्मिलित हुये।

कार्यक्रम • जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि के विषय पर चल रहा सेमिनार हुआ संपन्न

मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत

मिलेट का उत्पादन, इसका सेवन तथा इससे जुड़े फायदों से लोगों को कराया गया रूबरू

भास्कर न्यूज़|पूसा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति साभागार में जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि के विषय पर चल रहा सात दिवसीय सेमिनार रविवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन इस सेमिनार में श्री अन्न (मिलेट) का उत्पादन, इसका सेवन तथा इससे जुड़े फायदों के विषय पर एक बहु हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें क्षेत्र के किसान, विस्तार कार्यकर्ता, एफपीओ, वैज्ञानिक और विवि के छात्र मौजूद थे। कार्यशाला के दौरान इन्टरनेशनल मिलेट वर्ष के महत्व, मिलेट से मिलने वाले पोषक तत्व, मिलेट के सेवन से लाइफ स्टाइल से संबंधित रोगों से किया जाने वाला बचाव, मिलेट के उन्नत प्रभेद, मिलेट खेती की तकनीक आदि पर चर्चा हुई। इस अवसर पर विवि के ईंख अनुसांधन संस्थान के हेड डॉ. एके सिंह ने कहा कि मोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो आदि को मिलेट क्रॉप कहा जाता है। मिलेट्स को सुपर फूड भी कहा जाता है क्योंकि इनमें पोषक तत्व अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होते हैं।

कार्यशाला में 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

सेमिनार के अंतिम दिन विवि की तकनीकों को देखते किसान।

मिलेट्स क्रॉप को कम पानी की जरूरत

उन्होंने कहा कि मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए हम सबो को एक साथ मिलकर जागरूकता लाते हुए काम करने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि मिलेट्स क्रॉप को कम पानी की जरूरत होती है। उन्होंने कैसे मौसम में मिलेट्स की खेती की जा सकती है, मिलेट फसलों के मुख्य कीट, रोग व उसका प्रबंधन, मिलेट के प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन, एफपीओ का महत्व और एफपीओ को कैसे बनाए जाएं आदि पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के दौरान प्रसंस्करण और वैल्यू ऐडिशन का लाइव डेमोन्सट्रेशन भी किया गया। कई वैज्ञानिकों ने कार्यशाला के दौरान अपना व्याख्यान भी दिया।

मिलेट उत्पादों की प्रदर्शनी लगी

कार्यशाला में मिलेट और मूल्य वर्धित मिलेट उत्पादों की प्रदर्शनी को भी प्रदर्शित किया गया। अंत में डॉ. ए के सिंह ने बदलते जलवायु के बारे मे बताते हुए मिलेट फसलों की खेती करने पर जोर दिया क्यूंकि ये जलवायु अनुकूल फसल हैं। कार्यशाला के दौरान वैज्ञानिक डॉ. श्वेता मिश्रा, डॉ. कौशल किशोर, डॉ. जी एस गिरि, डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. हेमलता सिंह, डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी, डॉ. गीतांजलि चौधरी एवं डॉ. अनुपम अमिताभ आदि मौजूद थे।

6 दिन में 6.8 डिग्री बढ़ा अधिकतम पारा, 4 दिनों तक शुष्क रहेगा मौसम

मौसम : न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया

सिटी रिपोर्टर |समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में बीते दो दिनों से बादल, आंधी व बारिश के बीच भी मौसम के शुष्क बने रहने से तापमान का बढ़ाना जारी रहा। जिसका परिणाम है कि बीते छह दिनों में अधिकतम तापमान में 6.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इधर, मौसम विभाग पूसा की ओर से जारी मौसमीय आंकड़ों के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य ये 1.8 डिग्री कम रहते हुए 35.2 डिग्री रहा। जो एक सप्ताह में सर्वाधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री कम रहते हुए 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह भी बीते एक सप्ताह में सर्वाधिक रहा है।

वहीं सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 81 फीसदी जबकि दोपहर में 51 फीसदी रही। इस दौरान 7.6 किमी की रफ्तार से पुरवा हवा चली। वहीं मौसम वैज्ञानिक डॉ. अब्दुस सत्तार ने बताया कि आगामी चार दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। वहीं 13-15 किमी की रफ्तार से पछिया हवा चलेगी।

Dainik Bhaskar 29.05.2023

मंडे पॉजिटिव | खेती को लाभकारी बनाएगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी डेटा संचालित फसल नाम की मशीन

दस एकड़ खेत के क्षेत्रफल में लगी फसलों की स्थिति के बारे में जानकारी देगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन

भास्कर न्यूज|पूसा

राष्ट्रीय केला अनुसांधन केंद्र तमिलनाडु एवं अखिल भारतीय फल अनुसांधन परियोजना बंगलोर के द्वारा किसानों की खेती को स्मार्ट बनाने के लिए (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) यानी डेटा संचालित फसल नाम की एक मशीन को विकसित किया गया है। बताया जाता है कि यह मशीन सौर ऊर्जा द्वारा संचालित होती है तथा इसके अंदर सिम व कई तरह के सेंसर लगे होते हैं। इस मशीन के एक यूनिट की स्थापना कृषि विवि पूसा के केला बागान में की गई है। मशीन के कर्ता धर्ता व विवि के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह ने बताया कि यह मशीन फसल व खेत के सभी स्तरों जैसे फसल में सिंचाई कब करनी है, फसल में कौन से रोग व कीट लगे हैं, कौन सी दवाओं का छिड़काव करना है, विभिन्न तरह की फसलों में कौन से और कितनी मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करना है, मौसम पूर्वानुमान आदि तमाम तरह की जानकारियों को किसान के मेल आईडी और रजिस्टर्ड मोबाइल पर मैसेज भेजकर समय से पूर्व ही बता देता है।

मौसम पूर्वानुमान भी किसानों के ईमेल और मोबाइल पर मैसेज भेजेगा

डेटा संचालित फसल नाम की मशीन।

इस मशीन को लगाने में किसानों को 50 हजार रुपए खर्च होंगे

वैज्ञानिक ने बताया कि फसल नाम की यह मशीन 10 एकड़ खेत के क्षेत्रफल में लगे एक तरह के फसल, वहां की मिट्टी और पौधों से जुड़े रिपोर्ट आदि को ससमय किसानों को बताने काम करेगी। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि यह मशीन किसानों को भविष्य के मौसम के जोखिमों से बचाने के लिए अगले 14 दिनों तक का मौसम पूर्वनुमान भी किसानों के मेल और मोबाइल पर मैसेज भेजकर बताएगी। उन्होंने बताया कि इस मशीन को लगाने में किसानों को लगभग 50 हजार रुपए खर्च करने होंगे। डॉ. सिंह ने बताया कि यह मशीन फसल में लगने वाले रोग की भविष्यवाणी, उसका मूल्यांकन, रोग की गंभीरता, कीट के प्रकोप की संभावना बताएगी।

विवि ने ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी आधारित खेती की तकनीक आदि के प्रयोग पर जोर शोर से काम करना शुरू कर दिया हैं। उन्होंने बताया कि विवि के केला के एक्सपेरिमेंटल फील्ड में फसल नाम की इस मशीन को लगाने से खासकर रोग एवं कीट से संबंधित अनुसंधान को एक नया आयाम मिलेगा। इस मशीन का लगना डिजिटल एग्रीकल्चर एवं सेंसर आधारित स्मार्ट खेती को बढ़ावा देने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। -डॉ. पीएस पांडे, कुलपति, कृषि विवि पूसा

Dainik Bhaskar 29.05.2023

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 30 मई तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा कि उत्तर बिहार में 28 मई के आसपास हवा के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली गिर सकती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दौरान 13 से 15 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
29 मई	32.0	21.0
30 मई	32.0	20.0
पटना		
29 मई	36.0	24.0
30 मई	37.0	22.0
गया		
29 मई	35.0	25.0
30 मई	38.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 29.5.2023

मोटे अनाज को बढ़ावा देना समय की मांग: निदेशक

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के निदेशक अनुसंधान डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि पौष्टिक आहारों की जरूरत पूरा करने के लिए मिलेट्स (श्री अन्न) की खेती को बढ़ावा समय की मांग है। यह लोगों को स्वस्थ रखने के साथ आर्थिक समृद्धि में भी सहायक होगा। वे रविवार को विवि के विद्यापति सभागार में किसानों, प्रसार कार्यकर्ता, एफपीओ के सदस्यो, छात्रों व वैज्ञानिको को संबोधित कर रहे थे। मौका था जलवायु परिवर्तन पर सात दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन अगली पीढ़ी की जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए मिलेट पर एक बहु-हितधारक विषय पर कार्यशाला का। उन्होंने कहा कि एक समय था देश में अनाज की कमी थी। तब फसलो की उत्पादकता बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरको, कीटनाशकों का भरपूर इस्तेमाल को बढ़ावा मिला। लेकिन वर्तमान समय फसलो की उत्पादकता के साथ मनुष्य व मिट्टी को स्वस्थ रखने का है। ऐसे में मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा देने की जरूरत है। मौके पर विवि के मिलेट्स प्रभारी डॉ. श्वेता मिश्रा, डॉ. कौशल किशोर, डॉ. जीएस गिरि, डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. हेमलता सिंह, डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी, डॉ. गीतांजलि चौधरी, डॉ. अनुपम अमिताभ, गीतांजलि मौजूद थीं। इस दौरान प्रशिक्षुओं को विवि के नवीनतम कृषि यंत्रो के साथ पौष्टिक आहार के सेवन, बनाने के तौर-तरीको से अवगत कराया गया। वहीं विश्व मिलेट वर्ष के महत्व, पोषक तत्व, उन्नत प्रभेद, खेती के तकनीक, फसलों के मुख्य कीट, रोग व उसके प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी गई।

विद्यापति सभागार में संबोधित करते विवि के निदेशक अनुसंधान। विवि में कृषि के नये यंत्रों व पौष्टिक आहारों के संबंध में जानकारी लेते प्रशिक्षु।

Hindustan 29/05/2023

जाले केविके में लगी अंडे से चूजे निकालने वाली मशीन

जाले, एक संवाददाता। जाले कृषि विज्ञान केंद्र में एक ऐसी मशीन लगायी गयी है जो अंडे से चूजे निकालता है। इससे आने वाले दिनों में व्यवसायियों को काफी सुविधा मिलेगी।

चूजा के लिए अब उन्हें अन्य प्रदेशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।जाले कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने कहा कि छोटे-छोटे किसानों के लिए मुर्गीपालन, बतख पालन और बटेरपालन आय का अच्छा माध्यम है। हालांकि, छोटे किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या चूजों की होती है, जो बाहर से मंगाना पड़ता है। प्रयोग के तौर पर जाले कृषि विज्ञान केंद्र में निक्रा (नेशनल इनोवेशंस ऑन क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर) परियोजना के तहत अंडे से चूजे निकालने की मशीन लगायी गयी है। यह छोटे-छोटे कुक्कुटपालकों के लिए मददगार साबित होगी।पहली बार गत चार मई को केंद्र के अध्यक्ष डॉ. दिव्यांशु शेखर और डॉ. जगपाल ने किसान सुधीर कुमार से निषेचित अंडों को इकट्ठा कर मशीन का परिचालन करवाया। इसमें कड़कनाथ और सोनाली प्रजाति के अंडों को मशीन में लगाया गया था। 18 दिन इंक्यूबेशन के बाद अंडों से लगभग 80 प्रतिशत चूजे निकले।

जाले केविके में मशीन से अंडे से चूजे निकालने के बाद उसे दिखाते कृषि वैज्ञानिक।

Hindustan 29/05/2023

जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि पर आधारित सात दिवसीय कार्यक्रम का समापन

मोटे अनाज की खेती जरूरी : डॉ एके

प्रतिनिधि, पूसा

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित विद्यापति सभागार में आयोजित जलवायु अनुकूल और स्मार्ट कृषि विषय पर आधारित सात दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर श्री अन्न विषय पर आधारित बहु-हितधारक कार्यशाला हुई.

मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह ने कहा कि बदलते मौसम के परिवेश में मिलेट फसलों की खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि मोटे अनाज में पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पायी जाती है.

वैज्ञानिक डॉ श्वेता मिश्रा ने कहा कि मोटे अनाज कई रोगों के बचाव में लाभदायक होता है. उन्होंने मोटे अनाज के कई प्रभेद व खेती के नई तकनीक आधारित विषय एवं प्रसंस्करण की जानकारी दी. वैज्ञानिक डॉ कौशल किशोर ने एफपीओ के गठन एवं मोटे अनाज की मूल्यवर्धन पर अपनी बातों को रखा. इस दौरान मिलेट उत्पादों को किसानों के बीच प्रदर्शित किया गया. इस मौके पर डॉ जीएस गिरि, डॉ शैलेश कुमार, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ हेमलता सिंह, डॉ मीनाक्षी द्विवेदी, डॉ गीतांजलि चौधरी, डॉ अनुपम अमिताभ, एफपीओ सदस्य, कृषि प्रसार कार्यकर्ता, वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थीं.

संबोधित करते निदेशक अनुसंधान व मौजूद अन्य.

Prabhat Khabar 29.05.2023

मौसम • उत्तर बिहार में सामान्य से एक डिग्री ऊपर आया तापमान, दो-तीन दिनों में और बढ़ सकता है पारा

शुष्क मौसम के बीच 24 घंटे में जिले में 2.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ा तापमान, तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों को किया परेशान

सिटी रिपोर्टर|समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में बीते सप्ताह से लगातार तापमान का बढ़ना जारी है। इस बीच सोमवार को शुष्क मौसम का तेज प्रभाव देखने को मिला। बताया गया कि इसके कारण बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 2.6 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं सामान्य तापमान का अंतर भी इस अवधि में लगभग तीन डिग्री तक बढ़ा। इसको लेकर मौसम विभाग पूसा की ओर से जारी मौसमीय आंकड़ों के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक रहते हुए 37.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जो एक दिन पूर्व सामान्य से 1.8 डिग्री कम रहते हुए 35.2 डिग्री था। वहीं इस अवधि में न्यूनतम तापमान भी लगभग एक डिग्री बढ़कर 24.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 76 फीसदी जबकि दोपहर में 40 फीसदी रिकार्ड की गई। जिससे लोगों को दिन के समय तेज धूप के बीच उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। 5.4 किमी की रफ्तार से पछिया हवा चली। बताया गया कि आगामी दो-तीन दिनों में तापमान में और अधिक वृद्धि होगी।

शहर में दोपहर के समय कड़ी धूप के बीच बाइपास पर नहीं दिखी भीड़।

दुधारू पशुओं को लगवाएं टीके

वैज्ञानिक ने मई माह के अंत तक सभी दुधारू पशुओं को गलघोटू व लंगड़ी बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगवाने की सलाह दी है। वहीं खरीफ प्याज, मक्का, हल्दी व अदरक के लिए खेत तैयार कर इसकी बुआई व रोपाई शुरू करने का आह्वान किया है। साथ ही लंबी अवधि वाले धान की नर्सरी लगाने व बसंतकालीन मक्का की खड़ी फसलों में कीट व रोग की निगरानी की सलाह दी है।

उत्तर बिहार के जिलों में मौसम शुष्क होने से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। आगामी दो-तीन दिनों में इसमें और वृद्धि हो सकती है। लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। शुष्क मौसम के बीच आगामी परिस्थितियों को देखते हुए खेती व पशुपालन का कार्य वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप संपन्न करें।

-डॉ. अब्दुस सत्तार, मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा

आज का मौसम

डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 30 मई तक के लिए जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा कि उत्तर बिहार में हवा के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली गिर सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दौरान 13 से 15 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
30 मई	32.0	21.0
31 मई	32.0	20.0
पटना		
30 मई	36.0	24.0
31 मई	37.0	22.0
गया		
30 मई	35.0	25.0
31 मई	38.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 30-05-2023

सलाह • धान की रोपाई में वैज्ञानिकों की सलाह को अपनाकर धान से उच्च स्तरीय उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं किसान

जून के पहले सप्ताह से लेकर अंतिम सप्ताह तक हर हाल में धान की नर्सरी लगाएं : डॉ. तिवारी

भास्कर न्यूज | पूसा

बिहार के किसान आने वाले समय में धान की रोपाई करने के लिए जून के पहले सप्ताह से लेकर अंतिम सप्ताह तक हर हाल में धान की नर्सरी लगा दें। किसान धान की रोपाई में कृषि वैज्ञानिकों की सलाह को अपनाकर धान से उच्च स्तरीय उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। ये जानकारी केंद्रीय कृषि विवि पूसा के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के हेड सह वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र कुमार तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि धान की नर्सरी को तत्काल इसलिए लगाना जरूरी है चूंकि धान की नर्सरी लगाने के 21 दिन बाद ही धान का बिचरा उखाड़कर दूसरे खेतों में लगाने लायक होता है। अभी अगर धान की नर्सरी नही लगाई गई तो धान के रोपाई में काफी देर हो जाएगी जिससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं धान से उच्च स्तरीय उत्पादन प्राप्त करने के लिए धान की नर्सरी लगाने के दौरान ही किसानों को कई अन्य महत्त्वपूर्ण बातों पर भी ध्यान पड़ता है। बिहार के किसान नर्सरी में धान की बुआई करने के लिए अपने अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित धान के किस्मों का ही चयन करें। कृषि संस्थान या रजिस्टर्ड दुकान से साफ सुथरे और नमी युक्त बीज को ही खरीदने का काम करें। बीज पका हुआ होना चाहिए ताकि उसमें अंकुरण क्षमता बेहतर हो सकें।

21 दिन बाद ही धान का बिचरा उखाड़कर दूसरे खेतों में लगाने लायक होता है

नर्सरी में बोया गया धान का बीज।

धान के बीजों की बुआई से पूर्व उसे उपचारित करना अत्यंत ही जरूरी

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि धान की फसल में फफूंद जनित रोग जैसे ब्राउन स्पाट, रूटरोट, ब्लास्ट, बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट आदि रोगों के प्रकोप देखने को मिलते है। इन रोगो की रोकथाम के लिए धान के बीजो को एक लीटर पानी में 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 एसी और 0.5 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन दवा की मात्रा को डालकर घोल तैयार करते हुए उसमें धान के बीजों को चौबीस घंटे तक रखकर उपचारित करते हुए ही धान की बुआई नर्सरी में करें।

लंबी अवधि के धान के प्रजातियों के अविलंब लगाएं नर्सरी

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान खासकर लंबी अवधि वाले धान के प्रजातियों का नर्सरी बिल्कुल देर न करते हुए अविलंब लगाएं। लंबी अवधि वाले धान के प्रजातियों के लिए नर्सरी लगाने का यह एकदम उचित समय है। लंबी अवधि वाली धान की प्रजाति लगभग 140 से 150 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उन्होंने बताया कि लंबी अवधि वाले धान के प्रजातियों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पुसा द्वारा विकसित राजेंद्र मंसूरी, राजश्री, एमटीयू 7029 जिसको स्वर्णा भी बोला जाता है आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया की इसके अलावे धान की मध्यम अवधि वाले प्रजातियां भी विवि के पास उपलब्ध हैं। जिसका नर्सरी किसान 10 जून तक हर हाल में लगा लें। किसान धान के कम अवधि वाले प्रजातियों की नर्सरी 25 जून तक अवश्य लगा लें ताकि अक्टूबर के अंत तक धान की कटाई की जा सके और रबी मौसम की मुख्य फसल गेहूं को समय पर बोया जा सके।

Dainik Bhaskar 31-05-2023

मौसम • छाए रहेंगे बादल, मौसम के शुष्क रहने के आसार, 13-15 किमी की रफ्तार से चलेगी पुरवा हवा

उत्तर बिहार के जिलों में 4 जून तक 41 डिग्री तक जा सकता है अधिकतम तापमान, दोपहर में बनी रहेगी लू की स्थिति

सिटी रिपोर्टर|समस्तीपुर

उत्तर बिहार के जिलों में आगामी 4 जून तक अधिकतम तापमान के 41 डिग्री सेल्सियस तक जाने की उम्मीद है। वहीं इस अवधि में दोपहर के समय लू चलने की संभावना रहेगी। इसको लेकर ग्रामीण कृषि मौसम सेवा विभाग पूसा व भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को आगामी 31 मई से 4 जून का मौसम पूर्वानुमान जारी किया गया। जिसके अनुसार पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। वहीं इस अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। वहीं दोपहर में लू की स्थिति बन सकती है। बताया गया कि इस दौरान अधिकतम तापमान 40-41 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं अगले दो दिनों तक 13-15 किमी की रफ्तार से पुरवा हवा व उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है। वहीं इस अवधि में सापेक्ष आर्द्रता सुबह के समय 75-80 व दोपहर में 40-50 फीसदी के बीच रह सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक रहते हुए 28.8 व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

38.8 डिग्री पर पहुंचा तापमान, 24 डिग्री रहा न्यूनतम पारा

दिन के समय बढ़ी धूप के बीच छाता लेकर निकली महिलाएं।

हरी खाद के लिए पौधों को मिट्टी में पलटें

वैज्ञानिक ने मूंग व उड़द की तैयार फली की तुड़ाई कराने व हरी खाद के लिए उनके पौधों को मिट्टी में पलटवाने की सलाह दी है। वहीं शुष्क मौसम को देखते हुए मकई की कटनी, दौनी व सुखाने का काम करने, खरीफ मक्का की बुआई करने, लीची तोड़ने के बाद बाग की जुताई कर खाद व उर्वरक का प्रयोग करने, लंबी अवधि वाले धान की नर्सरी लगाने, अदरक की बुआई करने व गरमा सब्जियों की निकाई कर कीट से निगरानी की सलाह दी है।

*उत्तर बिहार के जिलों में आगामी चार दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान आकाश में बादल छाएंगे लेकिन तापमान 41 डिग्री तक जा सकता है। दोपहर के समय लू चलने की संभावना रहेगी। किसान सलाह के अनुरूप कृषि कार्य पूरा करें। -**डॉ. अब्दुस सत्तार,** मौसम वैज्ञानिक, डीआरपीसीएयू, पूसा*

Dainik Bhaskar 31-05-2023

आज का मौसम

उत्तर बिहार में चार जून तक आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। दोपहर में लू की स्थिति बन सकती है। यह कहना है डा. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (समस्तीपुर) के मौसम विभाग का। इस अवधि में अधिकतम तापमान 40 से 41 और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
समस्तीपुर		
31 मई	32.0	21.0
1 जून	33.0	22.0
पटना		
31 मई	36.0	24.0
1 जून	37.0	22.0
गया		
31 मई	38.0	25.0
1 जून	38.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

Dainik Jagran 31-05-2023

डॉ. डीके राय को मिला सीएसएआई अवार्ड

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के बीज निदेशालय के निदेशक डॉ. डीके राय को फेलो ऑफ सीएचएआई अवार्ड-2023 सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड उन्हें कनफेडरेशन ऑफ हार्टिकल्चर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली ने बागवानी को बढ़ावा देने में उनके योगदान व प्रतिबद्धता के लिए दिया है। महाराष्ट्र के जलगांव में 28 मई को आयोजित सेमिनार में नेशनल रेनफेड एरिया ऑथोरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अशोक दलवई, जैन इरीगेशन सिस्टम लि. के उपाध्यक्ष डॉ. केबी पाटिल आदि मौजूद थे।

Hindustan 31-05-2023

पारा पहुंचा 39 डिग्री पर लू चलने की संभावना

- मौसम विभाग ने लोगों को किया सतर्क
- शाम पांच बजे तक रही झुलसाने वाली गर्मी

पूसा, निज संवाददाता। गर्मी ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को सुबह से ही बेचैन करने वाली गर्मी से लोग बेहाल रहे। दिन चढ़ने के साथ गर्मी भी अपनी तपिश बढ़ाती रही। यह सिलसिला शाम करीब 5 बजे तक जारी रहा। उसके बाद मौसम में हल्की नरमी दिखी। मौसम विभाग के अनुसार दिन का तापमान 38.8 डिग्री रहा। जो सामान्य से करीब 2.3 डिग्री सेल्सियस अधिक बताया गया है। वहीं न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि के मौसम विभाग ने 4 जून तक का मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल रह सकते हैं।

Hindustan 31-05-2023